लायन्स स्कूल, मीरजापुर
अर्द्धवार्षिक परीक्षा – 2020–21

कक्षा– 12 (अतिरिक्त) समय – 3 घण्टे
विषय– हिन्दी कुल अंक – 80

सामान्य निर्देश :–
1. इस प्रश्न पत्र में दो खण्ड हैं – खण्ड 'अ' और खंड 'ब'।
2. खण्ड – अ में वस्तुपरक प्रश्न हैं एवं खण्ड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न हैं ।
3. प्रश्नों में उचित आंतरिक विकल्प दिए जाएँगे ।
4. यथासंभव प्रश्नों के उत्तर क्रमवार दें ।
5. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

खण्ड–क (वस्तुपरक प्रश्न)

प्रश्न.1– निम्नलिखित अपठित गद्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किसी एक गद्यांश में पूछे गए प्रश्नों के विकल्पों में से सही विकल्प को चुनकर लिखिए । 1x10=10

मानव प्रकृति से बहुत कुछ सीख सकता है। सबसे बड़ी शिक्षा तो स्वार्थरहित सेवा–भावना की है। प्रकृति हमें अपना सब कुछ दान कर देती है, परन्तु हम प्रकृति को बदले में क्या देते हैं । हमें भी प्राकृतिक सम्पदा की सेवा–संभाल और संरक्षण का ध्यान रखना चाहिए । परन्तु हम करते क्या हैं ? हम बिल्कुल विपरीत व्यवहार करते हैं। हम वनों का अन्धाधुन्ध सफाया करते जा रहे है। पेड़ काटकर कृषि क्षेत्र, औद्योगिक परिसर, भवन होटल तथा व्यापारिक स्थल बनाते जा रहें हैं । हम यह तथ्य भूलते जा रहे हैं कि इस प्रकार ये संसाधन एक न एक दिन समाप्त हो जाएँगे। हमें पता है कि प्रकृति अपनी पुनर्पूर्ति कर सकने में समर्थ है परन्तु हम उसे इस पुनर्पूर्ति का समय ही नहीं देना चाहते ।

बादलों से मनुष्य करूणा व दया भाव की शिक्षा प्राप्त कर सकता है। ये बादल अपनी करूणा के जल से पूरी धरती को तृप्त व शान्त करते हैं । फूल हमें हँसना सिखाते हैं । इनसे हमें जीवन की नश्वरता का संकेत भी मिलता है । फूल को पता होता है कि उसका जीवन क्षणिक है । फिर भी वह मुस्कान बिखरते हुए अपना शहद और सुगन्ध हमें दे डालता है। काँटो से घिरा गुलाब हमें यह शिक्षा देता है कि हमारा जीवन भले ही विध्न बाधाओं से भरा है तथापि हमें घबराना नहीं चाहिए । हमें हँसते – खेलते गुलाब की तरह अपने जीवन पथ पर बढ़ना चाहिए ।

1– मनुष्य को प्रकृति से सबसे बड़ी शिक्षा मिलती है –
क. सेवा–भावना की । [ ]
ख. स्वार्थ रहित सेवा–भावना की । [ ]
ग. प्रसन्न रहने की । [ ]
घ. निरंतर गतिशील रहने की । [ ]

2– प्रकृति के उपकार के बदले हमें क्या करना चाहिए–

क. प्रकृति की सुंदरता को बनाए रखना चाहिए । [ ]
ख. प्राकृतिक संसाधनों से छेड़–छाड़ नहीं करनी चाहिए। [ ]
ग. प्रकृति के कार्यों में दखल न दें । [ ]
घ. उपर्युक्त सभी । [ ]

3– मनुष्य करूणा और दया की शिक्षा प्राप्त कर सकता है–
क. वृक्षों से [ ]
ख. बादलों से [ ]
ग. फूलों से [ ]
घ. नदियों से [ ]

4– जीवन की कठिनाइयों से जूझने, जीवन पथ पर आगे बढ़ने की सीख देते हैं–
क. झरने [ ]
ख. पर्वत [ ]
ग. नदियाँ [ ]
घ. काँटो से घिरे गुलाब [ ]

5– गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक होगा –
क. प्रकृति और हम [ ]
ख. प्रकृति से छेड़– छाड़ [ ]
ग. प्रकृति से सीख [ ]
घ. उपर्युक्त सभी [ ]

6– बादल अपने करूणा के जल से किसको शान्त और तृप्त करतें हैं?
क. झरने को [ ]
ख. धरती को [ ]
ग. नदियों को [ ]
घ. पर्वतों को [ ]

7– जीवन की नश्वरता का संकेत किससे मिलता है ?
क. बादलों से [ ]
ख. काँटो से [ ]
ग. फूलों से [ ]
घ. पेड़ों से [ ]

8– प्रकृति अपनी पुनर्पूर्ति क्यों नहीं कर पा रही है ?
क. वनों की कटाई के कारण [ ]
ख. बाँध बनाने के कारण [ ]
ग. क्योंकि औद्यौगिक परिसर, होटल आदि निर्मित हो रहे हैं। [ ]

घ. क्योंकि हम प्रकृति को पुनर्पूर्ति का समय ही नहीं देना चाहते । [ ]

9– फूल को पता होता है कि उसका जीवन क्षणिक है । फिर भी वह सुगन्ध और शहद देता है –

क. दुःखी होते हुए [ ]
ख. नश्वरता से डरते हुए [ ]
ग. मुस्कान बिखरते हुए [ ]
घ. उपर्युक्त सभी [ ]

10– हमें अपने जीवन –पथ पर बढ़ना चाहिए –

क. गुलाब की तरह [ ]
ख. काँटों की तरह [ ]
ग. बादल की तरह [ ]
घ. वृक्ष की तरह [ ]

अथवा

मित्र बनाते समय यह ध्यान रखा जाता है कि उसमें और गुणों के साथ–साथ आत्मविश्वास की भरपूर मात्रा होनी चाहिए। वह दृढसंकल्प वाला हो ताकि हमारी त्रुटियों को बताते हुए हमें अपने लक्ष्य की ओर ले जाने का संकल्प पूरा करवाए । जब हम उत्साहहीन हो जाएँ तो वह हमें उत्साहित करे। उसके उत्साह से हमारे भीतर स्फूर्ति भर जाएगी। यदि वह स्वयं उत्साहहीन हो जाता है तो हमें क्या साहस दिलाएगा? मेरे पिताजी ने एक बार दूरदर्शन पर धारावाहिक महाभारत देखते हुए मुझसे पूछा कि कर्ण इतना महाबली होने पर भी क्यों पराजित हुआ ? मुझे नहीं पता था। तब उन्होंने बताया कि महारथी कर्ण का सारथी, नकुल – सहदेव का मामा शल्य था । शल्य बार–बार अर्जुन को अजेय बताकर कर्ण के सघन आत्मविश्वास में संदेह की दरार डाल रहा था । अतः ऐसे कच्चे संकल्प वाले व्यक्ति को अपने पास नहीं रखना चाहिए ।

1– किसी को मित्र बनाते समय गुणों के अतिरिक्त और किस बात का होना आवश्यक है –

क. साहस [ ]
ख. आत्मविश्वास [ ]
ग. उत्साह [ ]
घ. बल [ ]

2– मित्र के दृढ़ संकल्पी होने से क्या लाभ होता है–

क. वह हमारी त्रुटियों को बताकर हमें लक्ष्य की ओर ले जाता है [ ]
ख. वह हमारे त्रुटियों को जगाकर हमारे अन्दर साहस जगाता है [ ]
ग. वह मार्ग की बाधाओं को दूर कर देता है [ ]
घ. हमारे अंदर लक्ष्य प्राप्ति के लिए साहस जगाता है। [ ]

3– कर्ण का सारथी था–

क. नकुल [ ]
ख. विराट [ ]
ग. प्रद्युम्न [ ]

घ. शल्य [ ]

4– शल्य ने कर्ण के आत्मविश्वास को कैसे कमजोर किया–

क. अपना कर्तव्य ठीक से न निभाकर [ ]
ख. उसे उसके लक्ष्य से भटकाकर [ ]
ग. पांडवों की सेना की विशालता बताकर [ ]
घ. अर्जुन को बार–बार अजेय बताकर [ ]

5– लेखक के अनुसार हमें कैसे व्यक्ति को मित्र नहीं बनाना चाहिए –

क. उत्साहहीन [ ]
ख. कपटी [ ]
ग. अपने से निम्न स्थिति वाले [ ]
घ. कमजोर संकल्प वाले [ ]

6– हमारी त्रुटियों को बताने के लिए मित्र में कौन– सा गुण होना चाहिए?

क. आत्म विश्वास [ ]
ख. दृढ़संकल्प [ ]
ग. उत्साह [ ]
घ. प्रेम [ ]

7– मित्र के किस गुण से हमारे भीतर स्फूर्ति भर जाएगी ?

क. आत्म विश्वास [ ]
ख. प्रेम [ ]
ग. दृढ़संकल्प [ ]
घ. उत्साह [ ]

8– शल्य मामा था –

क. कर्ण का [ ]
ख. नकुल–सहदेव का [ ]
ग. अर्जुन का [ ]
घ. दुःशासन का [ ]

9– लेखक के पिताजी ने दूरदर्शन पर धारावाहिक देखा –

क. महाभारत [ ]
ख. रामायण [ ]
ग. श्रीकृष्णा [ ]
घ. बुनियाद [ ]

10– कर्ण के पराजित होने का कारण था ?

क. अर्जुन [ ]
ख. शल्य [ ]

ग. द्रोणाचार्य [ ]

घ. भीष्म पितामह [ ]

प्रश्न.2– निम्नलिखित पद्यांशो को पढ़कर किसी एक पद्यांश में दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प छाँटकर लिखिए – 1x8=8

अरे चाटते जूठे पत्ते जिस दिन मैंने देखा नर को
उस दिन सोचा; क्यों न लगा दूँ आज आग इस दुनिया भर को?
यह भी सोचा : क्यों न टेंटुआ घोंटा जाए स्वयं जगपति का ?
जिसने अपने भी स्वरूप को दिया रूप इस घृणित विकृति का ।
जगपति कहाँ? अरे, सदियों से वह तो हुआ राख की ढेरी;
वरना समता– संस्थापन में लग जाती क्या इतनी देरी ?
छोड़ आसरा अलख शक्ति का; रे नर, स्वयं जगत्पति तू है,
तू यदि जूठे पत्ते चाटे , तो मुझ पर लानत है , थू है !
ओ भिखमंगे, अरे पराजित, ओ मजलूम, अरे चिरदोहित,
तू अखंड भंडार शक्ति का; जाग, अरे निद्रा –सम्मोहित,
प्राणों को तड़पाने वाली हुंकारों से जल–थल भर दे ,
अनाचार के अंबारो में अपना ज्वलित पलीता धर दे ।

1– जूठे पत्ते चाटते हुए व्यक्ति को देखकर कवि के मन में आया –

क. वह इस दुनिया में आग लगा दे [ ]

ख. उस ईश्वर का टेंटुआ घोंटा जाए जिसने अपने ही स्वरूप को इतना घृणित बना दिया है । [ ]

ग. उपर्युक्त दोनो [ ]

घ. इनमें से कोई नही [ ]

2– 'जगपति कहाँ ?' कवि ने ऐसा क्यों कहा है ?

क. वह कहीं दिखाई नहीं देता [ ]

ख. वह अमीर–गरीब का भेद हटाने में असमर्थ है। [ ]

ग. वह सबको सुखी नहीं बनाता [ ]

घ. वह तो सदियों से राख की ढेरी बन गया है । [ ]

3– कवि मनुष्य को अलख शक्ति का आसरा छोड़ने के लिए कह रहा है, क्योंकि–

क. उसके अनुसार ईश्वर का अस्तित्व ही नहीं है। [ ]

ख. उसके अनुसार मनुष्य अपनी शक्तियों के अनुसार स्वयं ही जगत्पति है। [ ]

ग. उसके अनुसार ईश्वर कोई सहायता नहीं करेगा। [ ]

घ. उसके अनुसार ईश्वर के आसरे की उम्मीद करना बेकार है। [ ]

4– कवि ने भिखमंगे , पराजित , मजलूम, चिरदोहित शब्दों का प्रयोग किस उद्देश्य से किया है ?

क. मनुष्य को चेतावनी देने के लिए [ ]

ख. मनुष्य को वास्तविकता से परिचित कराने के लिए [ ]

ग. मनुष्य का उपहास करने के लिए [ ]

घ. मनुष्य के सोए आत्मसम्मान को जागृत करने के लिए [ ]

5– 'अनाचार के अम्बारो में' – पंक्ति में अलंकार है ?

क. रूपक [ ]
ख. अनुप्रास [ ]
ग. यमक [ ]
घ. उत्प्रेक्षा [ ]

6– कवि ईश्वर को राख की ढेरी क्यों कहता है–

क. समानता की स्थापना में देरी के कारण [ ]
ख. अपने ही स्वरूप को घृणित रूप देने के कारण [ ]
ग. 'क' और 'ख' दोनों [ ]
घ. इनमें से कोई नहीं [ ]

7– कवि स्वयं पर लानत क्यों देता है–

क. देव के द्वारा जूठे पत्ते चाटने पर [ ]
ख. मनुष्य के द्वारा जूठे पत्ते चाटने पर [ ]
ग. नारी–उपासक के द्वारा जूठे पत्ते चाटने पर [ ]
घ. इनमें से कोई नहीं । [ ]

8– कवि किससे जल–थल भरने को कह रहा है ?

क. क्रोध से [ ]
ख. हुँकार से [ ]
ग. प्रसन्नता से [ ]
घ. घृणा से [ ]

अथवा

माटी, तुझे प्रणाम !
मेरे पूण्य देश की माटी, तू कितनी अभिराम !
तुझे लगा माथे से सारे कष्ट हो गए दूर ,
क्षण – भर में ही भूल गया मैं शत्रु यंत्रणा क्रूर,
सुख–स्फूर्ति का इस काया में हुआ पुनः संचार–
लगता जैसे आज युगों के बाद मिला विश्राम !
माटी तुझे प्रणाम !
तुझसे बिछुड़ मिला प्राणों को कभी न पल–भर चैन,
तेरे दर्शन हेतु रात–दिन तरस रहे थे नैन,
धन्य हुआ तेरे चरणों में आकर यह अस्तित्व–
हुई साधना सफल, भक्त को प्राप्त हो गए राम !
माटी तुझे प्रणाम !
अमर मृत्तिके ! लगती तू पारस से बढ़कर आज,

कारा–जड़ जीवन सचेत फिर, तुझ को छूकर आज,
मरणशील हम, किंतु अमर तू, है अमर्त्य यह धाम–
हम मर–मर कर अमर करेंगे तेरा उज्जवल नाम !

1– कवि ने माटी को 'मेरे पुण्य देश की' कहकर क्यों संबोधित किया है ?

क. भारत की संस्कृति अत्यन्त पावन है । [ ]
ख. भारत की भूमि अनेक संत–महात्माओं की भूमि हैं [ ]
ग. भारत ने पूरे विश्व को धर्म और रतन का संदेश दिया । [ ]
घ. उपर्युक्त सभी । [ ]

2– 'देश की माटी को मस्तक से लगाकर कवि को कैसी अनुभूति हुई –

क. वह रोमांचित और उत्साहित हो गया [ ]
ख. उसे सुख प्राप्त हुआ और वह उत्साहित हो गया [ ]
ग. वह उत्साहित हो गया और सारे दुःख भूल गया [ ]
घ. उसके कष्ट दूर हो गए और वह शत्रु द्वारा दिए गए कष्ट भूल गया। [ ]

3– माटी से बिछुड़ने पर कवि को कैसा अनुभव हुआ ?

क. वह बहुत दुःखी हुआ । [ ]
ख. उसे पल भर भी चैन नहीं मिला [ ]
ग. उसका मन पुनः उसके दर्शन को तरसता रहा [ ]
घ. उपर्युक्त सभी [ ]

4– माटी से पुनः मिलने पर कवि को कैसी अनुभूति हुई –

क. वह धन्य हो गया [ ]
ख. उसकी साधना सफल हो गयी [ ]
ग. उसे लगा जैसे किसी भक्त को भगवान मिल गए हो [ ]
घ. उपर्युक्त में से कोई नहीं [ ]

5– मातृभूमि और कवि ने स्वयं में क्या अन्तर बताया है?''

क. कवि भक्त है, मातृभूमि भगवान [ ]
ख. कवि आश्रित है, मातृभूमि आश्रय [ ]
ग. कवि नश्वर है, मातृभूमि अमर [ ]
घ. उपर्युक्त में से कोई नहीं [ ]

6– कवि को माटी लगती है–

क. हीरे से बढ़कर [ ]
ख. पारस से बढ़कर [ ]
ग. मोती से बढ़कर [ ]
घ. उपर्युक्त सभी [ ]

7– मातृभूमि से मिलने पर कवि के अन्दर संचार हुआ–

क. सुख – समृद्धि [ ]
ख. सुख– स्फूर्ति [ ]
ग. यंत्रणा [ ]

घ. इनमें से कोई नहीं [ ]

8– माटी को छूने से कवि कैसा महसूस हुआ–

क. वह धन्य हो गया । [ ]

ख. उसे पल भर चैन नहीं मिला [ ]

ग. उसका जड़ जीवन चैतन्य हो गया [ ]

घ. उपर्युक्त सभी [ ]

प्रश्न.3– निम्नलिखित प्रश्नों के विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए– 1x5=5

(1)इंटरनेट पत्रकारिता आजकल बहुत लोकप्रिय है, क्योकि–

क. इससे दृश्य एवं प्रिंट दोनों माध्यमों का लाभ मिलता है ।

ख. इससे खबरें बहुत तीव्र गति से पहुँचाई जाती है ।

ग. इससे खबरों की पुष्टि तत्काल होती है ।

घ. इससे न केवल खबरों का संप्रेषण , पुष्टि, सत्यापन होता है बल्कि खबरों के बैंकग्राउंडर तैयार करने में तत्काल सहायता मिलती है ।

(2)ऐसी शब्दावली जिससे बहुत कम पाठक परिचित होते हैं, कहलाते हैं–

क. पिष्टोक्ति ख. दोहराव

ग. क्लीशे घ. जार्गन्स

(3)ऐसे पत्रकार जिनका संबंध किसी खास अखबार से नहीं होता हैं , बल्कि वह भुगतान के आधार पर अलग–अलग अखबारों के लिए लिखता है–

क. पूर्णकालिक ख. अंशकालिक

ग. फ्रीलांसर घ. उपर्युक्त सभी

(4) समाचार पत्रों में सम्पादकीय पृष्ठ के सामने वाले पन्ने को कहते हैं –

क. डेस्क ख. ऑप –एड

ग. न्यूजपेग घ. बीट

(5)कविता की अनजानी दुनिया का सबसे पहला उपकरण है–

क. शब्द ख. छंद

ग. बिम्ब घ. चित्र–भाषा

प्रश्न.4– निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के विकल्पों में से सही विकल्प चुनिए – 1x5=5

विधि न सकेउ सहि मोरा दुलारा । नीच बीचु जननी मिस परा ।।
यहउ कहत मोहि आजु न सोभा । अपनी समुझि साधु सुचि को भा ।।
मातु मंदि मैं साधु सुचाली । उर अस आनत कोटि कुचाली ।।
फरइ कि कोदव बालि सुसाली । मुकता प्रसव कि संबुक काली ।।
सपनेहुँ दोसक लेसु न काहू । मोर अभाग उदधि अवगाहू।।
बिनु समुझें निज अघ परिपाकू । जारिउँ जायँ जननि कहि काकू ।।
हृदयँ हेरि हारेउँ सब ओरा । एकहि भाँति भलेंहि भल मोरा ।।
गुरू गोसाइँ साहिब सिय रामू । लागत मोहि नीक परिणामू ।।

साधु सभाँ गुर प्रभु निकट कहउँ सुथल सति भाउ ।
प्रेम प्रपंचु कि झूठ फुर जानहिं मुनि रघुराउ ।।

(1)भरत के प्रति श्रीराम के स्नेह को कौन नहीं सह सका ––

क. कैकयी ख. गुरू गोसाइँ
ग. विधाता घ. इनमें से कोई नहीं

(2)कौन– सा भाव ह्रदय में लाना करोड़ो दुराचारों के समान है –

क. माता नीच विधाता सज्जन है।
ख. मैं नीच हूँ, माता सदाचारी साधु है
ग. माता विधाता दोनों नीच हैं ।
घ. माता नीच है और मैं सदाचारी और साधू हूँ

(3)अच्छी मोती कौन उत्पन्न नहीं कर सकता ––

क. काला घोंघा ख. सफेद घोंघा
ग. भूरा घोंघा घ. लाल घोंघा

(4)कवि के अनुसार किसके बहाने से राम और भरत के बीच अन्तर डाला गया –

क. सुमित्रा ख. कैकेयी
ग. कौशल्या घ. इनमें से कोई नहीं

(5)साधुओं की सभा किस स्थल पर हुई है–

क. चित्रकूट के पवित्र तीर्थ स्थल–सुथल
ख. पंचवटी में
ग. निषादराज के प्रांगण में घ. अयोध्या में

प्रश्न.5– निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के विकल्पों में से सही विकल्प चुनिए – 1x5=5

एक भरे – पूरे ग्रामीण अंचल को कितनी नासमझी और निर्ममता से उजाड़ा जा सकता है, सिंगरौली इसका ज्वलंत उदाहरण हैं । अगर यह इलाका उजाड़ रेगिस्तान होता तो शायद इतना क्षोभ नहीं होता; किंतु सिंगरौली की भूमि इतनी उर्वरा और जंगल इतने समृद्ध हैं कि उनके सहारे शताब्दियों से हजारों वनवासी और किसान अपना भरण–पोषण करते आए है । 1926 से पूर्व यहाँ खैरवार जाति के आदिवासी राजा शासन किया करते थे, किंतु बाद में सिंगरौली का आधा हिस्सा , जिसमें उत्तर प्रदेश तथा मध्य प्रदेश के खंड शामिल थे , रीवाँ राज्य के भीतर शामिल कर लिया गया । बीस वर्ष पहले तक समूचा क्षेत्र विंध्याचल और कैमूर के पहाड़ों और जंगलों से घिरा हुआ था, जहाँ अधिकांशतः , कत्था, महुआ, बाँस और शीशम के पेड़ उगते थे ।

(1)ग्रामीण अंचलों को निर्ममतापूर्वक उजाड़ने का उदाहरण है ––

क. विंध्याचल ख. सिंगरौली
ग. उत्तर प्रदेश घ. रीवाँ

(2) सिंगरौली की भूमि थी–

क. उजाड़ रेगिस्तान ख. कँटीला रेगिस्तान
ग. उर्वरा घ. बंजर

(3) इस स्थान पर पहले किस जाति के राजा राज्य करते थे–

क. चोल ख. चंदेल

ग. बोंडो घ. खैरवार

(4) सिंगरौली का आधा हिस्सा शामिल कर लिया गया –

क. रीवाँ में ख. विंध्याचल में

ग. उत्तर प्रदेश में घ. मध्य प्रदेश मे

(5) इस क्षेत्र में कौन–सा पेड़ नहीं उगता था –

क. कत्था ख. नारियल

ग. बाँस घ. महुआ

प्रश्न.6– निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के विकल्पों में से सही विकल्प चुनिए – 1x7=7

(1) सूरदास की झोपड़ी में आग किसने लगाई ?

क. नायक राम ख. जगधर

ग. भैरों घ. बजरंगी

(2) सूरदास की थैली में कितने रूपए थे ?

क. छः सौ से कुछ अधिक ख. चार सौ से कुछ अधिक

ग. तीन सौ से कुछ अधिक घ. पांच सौ रूपए से कुछ अधिक

(3) रूपसिंह कितने वर्ष बाद अपने गाँव लौट रहा था –

क. दस वर्ष ख. ग्यारह वर्ष

ग. बारह वर्ष घ. तेरह वर्ष

(4) रूपसिंह के पिता का नाम क्या था ?

क. भूपसिंह ख. रामसिंह

ग. त्रिलोकीनाथ घ. महीप

(5) बिस्कोहर में हिंदुओ के यहाँ दावत में भोजन किस पात्र में परोसा जाता था ?

क. कमल नाल में ख. तस्तरी में

ग. भसीड़ में घ. कमल–पत्र में

(6) बिसनाथ के गाँव में कौन सा फूल इफ़रात में होता था ?

क. कमल ख. सिंघाड़े का फूल

ग. भरभंडा घ. इनमें से कोई नहीं

(7) रूपसिंह ने महीप को कितना मेहनताना दिया ?

क. एक सौ बीस रूपया ख. सौ रूपया

ग. पचास रूपया घ. डेढ़ सौ रूपया

खंड – 'ब' (वर्णनात्मक प्रष्न)

प्रश्न.7– नीचे दिए गए विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 150 शब्दों में रचनात्मक लेखन कीजिए – 1x5=5

क. देश की प्रगति में युवावर्ग का योगदान

ख. भारत की राष्ट्रीय एकता

ग. दूरदर्शन : विकास या विनाश

प्रश्न.8– दिल्ली से प्रकाशित होने वाले 'हिन्दुस्तान' समाचार –पत्र को संवाददाताओं की आवश्यकता हैं। अपना शैक्षिक विवरण प्रस्तुत करते हुए उपर्युक्त समाचार पत्र के मुख्य प्रबंधक के नाम एक आवेदन पत्र लिखिए । 5

अथवा

बिजली विभाग के कर्मचारियों की मिली भगत से आपके क्षेत्र में बिजली की चोरी एवं उसके कारण होने वाले दुष्परिणामों की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए संबंधित उपमंडल अधिकारी को शिकायती पत्र लिखिए ।

प्रश्न.9– अधोलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए– 3

क. कहानी लिखते समय किन–किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ।

अथवा

नाटक की शिल्प संरचना पर प्रकाश डालिए ।

ख. कविता में बिंब और छंद पर टिप्पणी लिखिए । 2

अथवा

''नाटक की कहानी बेशक' भूतकाल या भविष्यकाल से संबद्ध हो, तब भी उसे वर्तमान काल में ही घटित होना पड़ता है'' – इस धारणा के पीछे क्या कारण हो सकता है ?

प्रश्न.10– अधोलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

क. 'महानगर की ओर पलायन की समस्या ' पर फीचर लेखन कीजिए । 3

अथवा

समाचार लेखन की उल्टा पिरामिड शैली का विस्तार से वर्णन करते हुए छह ककारों का उल्लेख कीजिए ।

ख. भारतीय कृषि की चुनौतियों पर एक आलेख तैयार कीजिए । 2

अथवा

सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों के व्यवहार पर पाठकनामा में संपादक के नाम पत्र लिखिए ।

प्रश्न.11– दिए गए प्रश्नों में से <u>किन्हीं दो प्रश्नों</u> के उत्तर लिखिए – 3x2=6

क. कवि ने लोगों के आत्मनिर्भर , मालामाल और गतिशील होने के लिए किन तरीकों की ओर संकेत किया है? 'एक कम' कविता के आधार पर लिखिए ।

ख. 'प्रकृति मनुष्य की सहचरी है' इस विषय पर विचार व्यक्त करते हुए आज के संदर्भ में इस कथन की वास्तविकता पर प्रकाश डालिए ।

ग. गीतावली से संकलित पद 'राघौ एक बार फिरि आवौ' में निहित करूणा और संदेश को अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न.12– दिए गए प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 30–40 शब्दों में दीजिए – 2x2=4

क. ''मैंने भ्रमवश जीवन संचित, मधुकारियों की भीख लुटाई ''– पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए ।

ख. सत्य का दिखना और ओझल होना से कवि का क्या तात्पर्य है ?

ग. बसंत आगमन की सूचना कवि को कैसी मिली ?

प्रश्न.13– दिए गए प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50–60 शब्दों में लिखिए – 3x2=6

क. ''धर्म का रहस्य जानना वेदशास्त्रज्ञ धर्माचार्यो का ही काम है'– आप इस कथन से कहाँ तक सहमत हैं? धर्म संबंधी अपने विचार व्यक्त कीजिए ।

ख. संवदिया की क्या विशेषताएँ हैं और गाँववालों के मन में संवदिया की क्या अवधारणा है?

ग. प्रकृति के कारण विस्थापन और औद्योगीकरण के कारण विस्थापन में क्या अंतर है?

प्रश्न.14– दिए गए प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 30–40 शब्दों में लिखिए – 2x2=4

क. साझे की खेती के बारे में हाथी ने किसान को क्या बताया ?

ख. बड़ी बहुरिया का संवाद हरगोबिन क्यों नहीं सुना सका ?

ग. बचपन में लेखक के मन में भारतेंदु जी के संबंध में कैसी भावना जगी रहती थी ?